1– जल कैसे भरू जमुना गहरी ….

जल कैसे भरू जमुना गहरी -2
जल कैसे भरू जमुना गहरी- 2
ठाड़ी भरू राजा राम जी देखे
हे ठाडी भरू राजा राम जी देखे
बैठी भरू भीजे चुनरी…….जल कैसे भरू जमुना गहरी

होली है ……..

जल कैसे भारू जमुना गहरी-2
धीरे चलू घर सास है बुढ़ी
हे धीरे चलू घर सास है बुढ़ी
धमकि चलु छलके गगरी…….जल कैसे भरू जमुना गहरी -2

जल कैसे भरू जमुना गहरी-2
गोदी पर बालक सिर पर गागर,
हे गोदी पर बालक सिर पर गागर
पर्वत से उतरी गोरी…जल कैसे भरू जमुना गहरी -2

जल कैसे भरू जमुना गहरी-2

2– हरी खेल रहे हैं होली ,देवा तेरे द्वारे में ।

हरि खेल रहे हैं होली, देवा तेरे द्वारे में …..

टेसू के रंग में रंगे कपोल हैं, चार दिशा दिशा फाग के बोल हैं,

देवा तेरे द्वारे में …..

उड़त अबीर गुलाल, देवा तेरे द्वारे में …..

हरि खेल रहे होली , देवा तेरे द्वारे में …..

हाथ लिए कंचन पिचकारी,गावत खेलत सब नर नारी,

भीग रहे होल्यार, देवा तेरे द्वारे में …..

हरि खेल रहें हैं होली , देवा तेरे द्वारे में …..

भाग कि मार पड़ी उसके सर, कौन अभाग है शिव शिव हर हर,

कैसा है लाचार, देवा तेरे द्वारे में …..

हरि खेल रहें हैं होली , देवा तेरे द्वारे में …..

गिरिका भी खेलें बची का भी खेलें,

बचुली सरुली और परुली भी खेलें,

कौन करे इंकार, देवा तेरे द्वारे में। …

हरि खेल रहे हैं होली, देवा तेरे द्वारे में।

3– कैले बांधी हो चीर …

कैले बांधी चीर, हो रघुनन्दन राजा । कैले बांधी !

गणपति बांधनी चीर, हो रघुनन्दन राजा । कैले बांधी !

ब्रह्मा, विष्णु बाँधनी चीर, हो रघुनन्दन राजा । कैले बांधी !

शिव शंकर बाँधनी चीर, हो रघुनन्दन राजा । कैले बांधी !

रामचन्द्र बाँधनी चीर, हो रघुनन्दन राजा । कैले बांधी !

लछीमन बाँधनी चीर, हो रघुनन्दन राजा। कैले बांधी !

श्रीकृष्ण बाँधनी चीर, हो रघुनन्दन राजा। कैले बांधी !

बलीभद्र बाँधनी चीर, हो रघुनन्दन राजा। कैले बांधी !

नवदुर्गा बाँधनी चीर, हो रघुनन्दन राजा । कैले बांधी!

भोलानाथ बाँधनी चीर, हो रघुनन्दन राजा । कैले बांधी !

इष्टदेव बाँधनी चीर, हो रघुनन्दन राजा। कैले बांधी!

सबै नारी छिड़कत गुलाल, हो रघुनन्दन राजा । कैले बांधी ।।

4–गावे खेले देवे आशीष …

गावैं ,खेलैं ,देवैं असीस, हो हो हो लख रे

बरस दिवाली बरसै फ़ाग, हो हो हो लख रे।

जो नर जीवैं, खेलें फ़ाग, हो हो हो लख रे।

आज को बसंत कृष्ण महाराज का घरा, हो हो हो लख रे।

श्री कृष्ण जीरों लाख सौ बरीस, हो हो हो लख रे।

यो गौं को भूमिया जीरों लाख सौ बरीस, हो हो हो लख रे।

यो घर की घरणी जीरों लाख सौ बरीस, हो हो हो लख रे।

गोठ की घस्यारी जीरों लाख सौ बरीस, हो हो हो लख रे।

पानै की रस्यारी जीरों लाख सौ बरीस, हो हो हो लख रे

गावैं होली देवैं असीस, हो हो हो लख रे॥

5– शिव के मन माही बसे काशी

शिव के मन माही बसे काशी -2
आधी काशी में बामन बनिया,
आधी काशी में सन्यासी,

शिव के मन माही बसे काशी
काही करन को बामन बनिया,
काही करन को सन्यासी।।

शिव के मन माही बसे काशी
पूजा करन को बामन बनिया,
सेवा करन को सन्यासी,

शिव के मन माही बसे काशी
काही को पूजे बामन बनिया,
काही को पूजे सन्यासी।

शिव के मन माही बसे काशी
देवी को पूजे बामन बनिया,
शिव को पूजे सन्यासी,

शिव के मन माही बसे काशी।
क्या इच्छा पूजे बामन बनिया,
क्या इच्छा पूजे सन्यासी,

शिव के मन माही बसे काशी
नव सिद्धि पूजे बामन बनिया,
अष्ट सिद्धि पूजे सन्यासी।

शिव के मनमाही बसे काशी

6 – सिद्धि के दाता विघ्न विनाशन –

सिद्धि को दाता विघ्न विनाशन,

होली खेलें गिरजापति नन्दन।

गौरी को नन्दन, मूसा को वाहन ।

होली खेलें……

लाओ भवानी अक्षत चन्दन,

पूजूँ मैं पहले जगपति नन्दन ।

होली खेलें.....

गज मोतियन से चौक पुराऊँ,

अर्घ दिलाऊँ पुष्प चढ़ाऊँ ।

होली खेलें.....

डमरू बजावै संभु-विभूषन,

नाचै गावैं भवानी के नन्दन ।

होली खेलें.....